

Written by कुमर सौवीर
Wednesday, 11 July 2018 17:52

: 000000 000000 00 00000000 00000000 00 00 00, 000000 00 0000 00000 0000 0000 00
00000 000000 00000 00 00000000 00 0000000 0000 00000000 00000 0000 : 00000-000000
00000000, 00000-00000 00000000, 000000 000000000000 000000, 000000000 00 0000000000
00 00 00000 00000000000 : 00000 000000 00000 000000 00 000000 000000 00000 0000 :



000000 000000

00000 : तो दोस् तो, सच बात तो यही है कि मैं इसीलिए भगवान-वगवान और ईश्वर-पशु-वर पर बहुत आस था रखता हूँ बल्कि भगवान और ईश्वर ही नहीं, उनकी पैमाली के जतिने देव-देवता है, उन पर भी मेरी कड़ी आस था, प्रेम, दोस् ती वगैरह है दरअसल यह सब लोग बहुत सस् टम के साथ कम करते हैं हंसी-उठोली भी करेंगे, गुस् सा भी करेंगे, दोस् ती भी करेंगे, झंझट भी करेंगे और सामान् य कमधाम भी करेंगे रंभा-मेनक नाचेंगी, हाहा-हूहू गायेंगे, इंद्र जी डरकि स लेते रहेंगे, वशिष् णु जी शेषनाग पर लेकर लक् मी जी से अपना गोड़ दबवाते रहेंगे सरस् वती जी वीणा बजायेंगी अपना कला भैसा लेकर यमराज जी झोंटा पकड़ कर फइनल वारंट तामील करने नक्ल जाया करेंगे

भोजन-पानी तो चलता ही रहता है, उसकेबना तो किसी सम् पादक और जज ही नहीं बल्कि मंत्री-राज् यपाल तक कम नहीं चलता यकीन न हो तो संपादक उपेंद्र राय, पीके तिवारी, तरूण तेजपाल, बाबा आसाराम बापू, राधे मां, हमिचल वाले वीरभद्र, हरियाणा वाले गोपाल कंडा, आंध्रप्रदेश राजभवन वाले वशिष् ववखि यात नारायण दत् त तिवारी, तमलिनाडु वाली जयललिता, सपरवार दुराचारी अमरमण् त्रिपाठी, बांदा वाले पुरूषोत् तम द्वविदी, अनन् त मशिर् अंटू, दलि ली वाला मंत्री संदीप बंसल, अदालतों वाले ओपी मशिर् और सपी शुक् ला, यूपी के मुख् यमंत् री के प्रमुख सचवि सपी गोयल, पुराने आलोक रंजन, प्रदीप शुक् ला वगैरह-वगैरह छोड़िये आखिर किसक-किसक नाम बताया जा

खैर, मैंने मंगलवार को लिखा था कि गर्मी-उमस बेहसाब है, लेकिन भगवान कुछ नहीं कर रहे हैं मानसून के बारिश वाले डिपार्टमेंट वाले प्रमुख मेघनाथ और उनकी मेघनथनी जी से मैंने अप् लीक्शन लगायी थी लिखा था कि वे अब रहम करें मानवों-प्राणियों को उस पत्र क मजमून मैं नम् नलिखित चपिकये दे रहा हूँ

Written by कुमार सोवीर
Wednesday, 11 July 2018 17:52

